आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्ण शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्य्, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम् ।।

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव'

मूल्य ▸ 5 वर्ष ▸ 13 अंक ▸ 168 मुद्रण तारीख ▸ 1 दिसम्बर, 2025 कुल पृष्ठ ▸ 20

कोई कांपते हुए रात न गुजारे–दें अपनत्व की गर्माहट

जन्म से दिव्यांग बच्चों को
दिव्यांगता की दुःख भरी
जिन्दगी से दिलाए छुटकारा...
आपका छोटा सा अनुदान
बनेगा मुस्कान
JOIN NOW
Call For Details
91-7023509999

सेवा सौभाग्य

मूल्य ▶ 5 वर्ष ▶ 13
अंक ▶ 168 कुल पृष्ठ ▶ 20

मुद्रण तारीख ▶ 1 दिसम्बर, 2025

सम्पादक मंडल

मार्ग दर्शक ▶ कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक ▶ प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग ▶ विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर ▶ विरेन्द्र सिंह राठौड़

सम्पर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva
Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

483, 'सेवाधाम' सेवा नगर
हिरण मगरी, सेक्टर-4,
उदयपुर (राज.) 313002, भारत
फोन नं. +91-294-6622222
वाट्सएेप: +91-7023509999
Web www.spdtrust.org
E-mail info@spdtrust.org

Seva Soubhagya
Print Date 1 December, 2025
Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404
Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

CONTENTS

इस माह में

ऐसे बदली यशवंत की जिंदगी — 07

रोशन हुआ दीपक,नया पैर, नई राह — 09

462 दिव्यांगों को लिंब,कैलिपर्स — 12

दत्तात्रेय के चौबीस गुरू — 14

झीनी-झीनी रोशनी 79 — 15

नैचरोपैथी से अस्मिता जी को राहत — 19

हौसले की आग से पिघलेंगी चुनौतियां

सेवक प्रशान्त भैया

जिनमें आत्मविश्वास है, उन्हें कभी भी दुख, भय, शोक प्रभावित नहीं कर सकते। उनके जीवन में 'पराभव' शब्द होता ही नहीं। कैसी भी शारीरिक अक्षमता क्यों न हो यदि आत्मविश्वास है तो शक्ति और सामर्थ्य भी दुगनी हो जाती है। ऐसे व्यक्ति का परिश्रम एवं पुरुषार्थ कभी निष्फल नहीं जाता। हौसले की आग से चुनौतियों का लोहा पिघलेगा ही। एक दिन जब मंदिर में कोई नहीं था, तब गर्भगृह में स्थापित देव मूर्ति एवं उस तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने वाली सीढ़ियों के बीच संवाद हुआ। सीढ़ियों ने पूछा कि – 'हम दोनों ही पत्थर के बने हैं। फिर क्यों लोग मुझ पर पैर रखकर जाते हैं और तुम्हारे समक्ष नतमस्तक होते हैं? मूर्ति ने सहज भाव से कहा– 'कोई खास कारण तो नहीं। सिवाय इसके कि मैने तुमसे ज्यादा हथौड़े की चोट सहन की है। कहने का अभिप्राय यह है कि कैसी भी चुनौतियां क्यों न हो, उनके सामने डट जाना ही जीवन को नए रूप में ढालने का संकल्प है।

यदि इरादे मजबूत हैं तो सफलता को बाँहों में समेटने से कोई नहीं रोक सकता। अनेकानेक लोग शारीरिक तौर पर कमजोर थे, लेकिन उनके इरादों का पर्वत इतना ऊंचा था कि समस्याएं अवसर में बदल गईं। उन्होंने साबित किया कि कैसी भी कमी या विपदा क्यों न हो, उससे किस्मत तय नहीं होती, वह तय होती है हौसलों की उड़ान से। आपके अपने नारायण सेवा संस्थान में निःशुल्क सर्जरी, अथवा कृत्रिम अंग– कैलीपर्स के लिए देश के दूरदराज इलाकों से आने वाले भाई–बहिनों ने इसका परिचय तो दिया ही, वहीं संस्थान द्वारा आयोजित सन् 2017 में 17वीं राष्ट्रीय पैरा तैराकी प्रतियोगिता, 2019 नवम्बर में राष्ट्रीय दृष्टिबाधित क्रिकेट चैम्पियनशिप, 2022 में 21वीं राष्ट्रीय पैरा स्वीमिंग प्रतियोगिता व राष्ट्रीय व्हीलचेयर क्रिकेट चैम्पियनशिप में जुड़े देशभर के नामी दिव्यांग खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा व दमखम का प्रदर्शन कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। वर्ष 2023 के अक्टूबर में थर्ड नेशनल फिजिकल डिसेबिलिटी (स्टेडिंग क्रिकेट) टी–20 क्रिकेट चैम्पियनशिप और 2024 में चौथी राष्ट्रीय दिव्यांग टी –20 क्रिकेट चैम्पियनशिप में देश भर से आई टीमों के सैंकड़ों खिलाड़ियों ने अपने जोश, जुनून और कलात्मक खेल से उदयपुरवासियों के साथ ही लाइव प्रसारण के माध्यम से देशभर के खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।

उन्होंने साबित किया कि जिसने अंधेरे में दौड़ना सीखा हो वो जहाँ भी पैर रखता है, रास्ता वहीं बन जाता है। अंधकार में प्रेरणा की मशाल जलाने वाले ऐसे अनेक भाई–बहिन हैं, जिन्होंने शारीरिक अक्षमता के बावजूद अपने हौसले की उड़ान से विभिन्न क्षेत्रों में सफलता का आकाश छुआ। कुदरत का खेल कहें या नियति। कुछ जिंदगियां जिस्मानी कमी या दुर्घटना के चलते उम्रभर दुःख झेलने को मजबूर हो जाती हैं, लेकिन उनसे हमारा ही नहीं हर सकारात्मक सोच रखने वाले का यही आग्रह रहेगा कि वे अपने आत्मविश्वास को न खोएं। यही उनके पास ऐसी अमूल्य चीज है, जिससे वे हर बाधा को 'मौका' बना लें। वे अपने ही जैसे उन भाई–बहिनों के जीवन पर नजर डालें जिन्होंने शारीरिक अक्षमताओं के बावजूद पैरालम्पिक खेलों में अपनी चमक बिखेरी, एवरेस्ट और उस जैसे ही शिखरों की चोटियों पर देश का झंडा फहरा कर अपने हौसले का इतिहास रच दिया।

प्रभाव में नहीं, स्वभाव में जिएं

पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

मानव जीवन में कर्तव्य का महत्व वैसा ही है, जैसे शरीर के लिए भोजन। शरीर को जब संतुलित आहार मिलता है, तभी वह समग्र रूप से स्वस्थ रह पाता है। इसी तरह मानवता की गरिमा के लिए भी भारतीय संस्कृति में आचार–विचार की शुद्धता का संदेश समाहित है। मर्यादित जीवन शैली से ही एक सहृदयी और सफल मनुष्य का प्रतिबिम्ब उभरता है। ऐसे ही मनुष्य में प्रगति, समृद्धि और व्यक्तित्व निर्माण की संभावनाएं होती हैं। वह परिवार, समाज और राष्ट्र की उपयोगी निधि बन जाता है। हम समाज और राष्ट्र को जो देते हैं, वह हमेशा हमारे लिए कल्याणकारी होता है। संसार एक प्रतिध्वनि है, जो हम उसे देंगे, वह पुनः किसी न किसी रूप में द्विगुणित होकर लौटेगा। जरुरत इस बात की है कि अभाव से दुःखी न होकर सद्भाव में और प्रभाव की बजाय स्वभाव में जिएं। यही सुखी जीवन का राज है।

आधुनिकता की अंधी दौड़ में यदि हमने जीवन मूल्यों को बिसरा दिया तो जीवन अशांत और नीरस हो जाएगा। मनुष्य की असली समस्या 'मैं' है। इससे यदि बाहर निकला जाए तो समस्याएं स्वतः विगलित होती जाएंगी। परमात्मा ऐसी सामूहिक शक्ति है, जिनके प्रति आस्था, विश्वास और समर्पण से 'मैं' के अस्तित्व को आसानी से विसर्जित किया जा सकता है। मनुष्य के मन में अंकुरित होने वाली तृष्णा ही उसकी चिंता का मूल कारण है। वह संतोष को दबाकर मानसिक उद्विगनता का कारण बन जाती है। मनुष्य उसके प्रभाव में ऐसे काम कर बैठता है जो उसे नीचे गिराने वाले होते हैं।

व्यक्ति खुश रहना चाहता है। खुशी के मायने अपनी सोच के अनुसार सब के लिए अलग–अलग हैं। कोई अथाह संपत्ति पाकर भी खुश नहीं तो कोई छोटी सी खुशी में ही आकाश नाप लेता है। धर्म ग्रन्थों को उठाकर देखें। चाहे वे किसी जाति, धर्म और संप्रदाय के हों, सभी यह कहते हैं कि खुशी देने या बांटने से ही बढ़ती है, इसलिए हमें अपनी जरुरतों के पहले दूसरों की जरुरतों के बारे में भी सोचना चाहिए। हमेशा कुछ न कुछ नया जानने की कोशिश करें। हम जानना नहीं चाहते, इसलिए, खुश नहीं रह पाते। सत्साहित्य के माध्यम से चिंतन–मनन की ओर प्रवृत्त हों और सुख–शांति, आत्मसंतोष तथा आनन्द का अनुभव करते हुए जीवन को एक सार्थक आयाम प्रदान कर सकें, इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता। विभिन्न पुराणों, आख्यानों, शास्त्रों और विचारकों के कथन भी ऐसा ही सन्देश देते हैं।

हम अपनी क्षमताओं को पहचानें और समाज के मंगल में उनका अधिकतम उपयोग करें। यदि हम जीवन को बेहतरी की ओर ले जाना चाहते हैं तो सर्वप्रथम अपनी जीवनशैली को दुरुस्त करें, क्योंकि एक स्वस्थ व्यक्ति से ही स्वस्थ समाज का निर्माण संभव है। हम सभी अपने–अपने प्रयासों से 'सर्व मंगल मांगल्ये' के वातावरण का निर्माण करें। प्रभु हमें शक्ति दें।

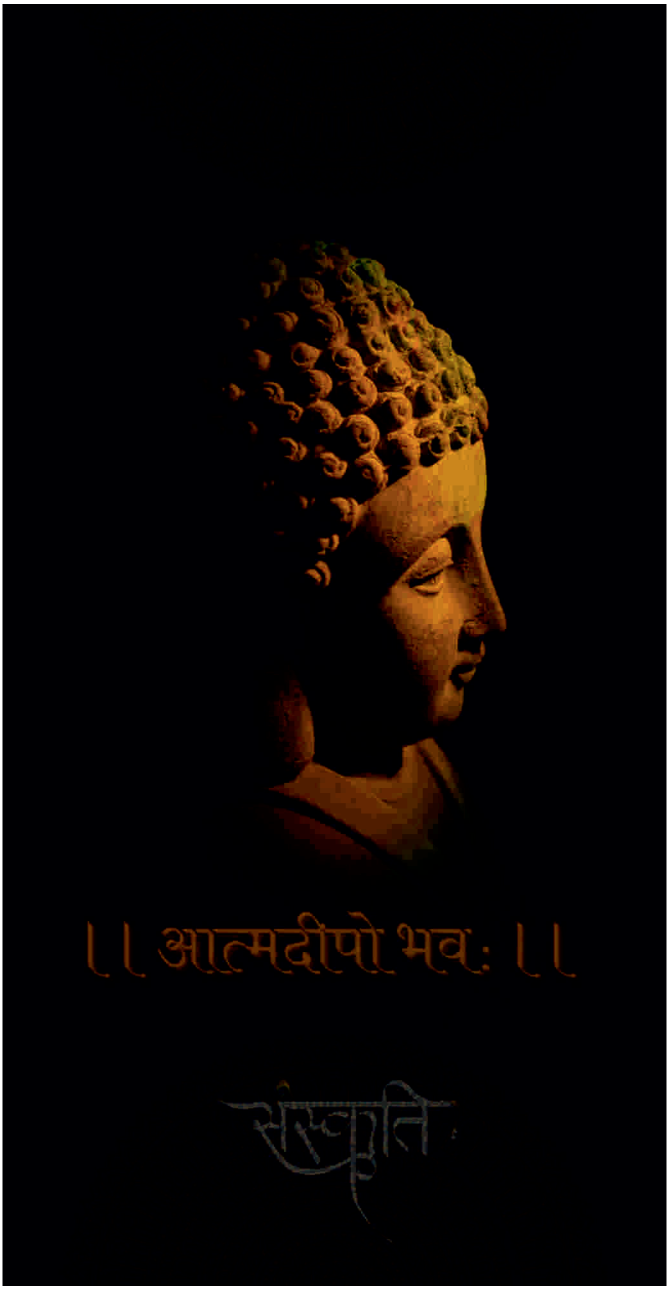

आस्था और उल्लास का पर्व मकर संक्रान्ति

परम पुण्यदायी पर्व मकर संक्रांति पर आपके अपने नारायण सेवा संस्थान मुख्यालय सहित विभिन्न शाखाओं के माध्यम से सूर्याराधना के साथ तिल के लड्डुओं, ऊनी वस्त्र-कम्बल, खिचड़ी आदि का जरूरतमंदों में व्यापक स्तर पर वितरण किया जाएगा। आपश्री भी इस पुण्य यज्ञ के भागीदार बनें।

सूर्यदेव के 14 जनवरी को मकर राशि में प्रवेश से मकर संक्रांति पर्व पूरे भारत में अलग–अलग रूपों में मनाया जायेगा। मान्यता के अनुसार भगवान सूर्य इस दिन अपने पुत्र शनि से मिलने उनके लोक जाते हैं। शनि देव मकर राशि के स्वामी हैं। सूर्य इस दिन दक्षिणायन से उत्तरायण की गति प्रारंभ करेंगे। इस पर्व पर तीर्थ स्नान व दान का बड़ा महत्व है। मकर संक्राति देवताओं के लिए सूर्योदय और दानवों के लिए सूर्यास्त का दिन है। इसीलिए मांगलिक कार्यों का शुभारंभ मकर संक्रांति से ही होता है। इस दिन प्रातः ब्रम्हमुहूर्त में स्नानादि से निवृत्त होकर भगवान सूर्य की आराधना की जानी चाहिए। इसके बाद भगवान को तिल के लड्डुओं का भोग लगाकर उन्हे दान करना चाहिए। इसके साथ ही गरीबों में ऊनी वस्त्र, कम्बल, घी, अन्नादि के दान से अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है। मकर संक्रांति (उत्तरायण) से जुड़े कई प्रसंग भी हैं। महाभारत काल में भीष्म पितामह ने 6 माह तक बाणों की शैया पर लेटे हुए प्राण त्यागने को लेकर इस दिन की प्रतीक्षा की थी। इसी दिन भगवती माता गंगा भगीरथ के पीछे चलती हुई कपिल मुनि के आश्रम से होकर सागर में जा मिली थीं। अतः मकर संक्रांति पर प. बंगाल में गंगासागर तट पर लाखों श्रद्धालु स्नान–दान के लिए एकत्रित होते हैं। यह पर्व 'खिचड़ी' पर्व के रूप में भी कई जगह प्रचलित है। इस दिन खिचड़ी का बड़े पैमाने पर वितरण होता है।

मकर संक्रांति श्राद्ध, तर्पण, यज्ञादि के लिए भी अत्यन्त उपयुक्त एवं पुण्यकारी है। इससे पितरों की आत्मा तृप्त होती है और वे प्रसन्न होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं। तंत्र शास्त्र के अनुसार सूर्य की उपासना से द्ररिद्रता का अंत होकर घर –परिवार के लिए समृद्धि के नए द्वार खुलते हैं। यूं तो सूर्य हर माह राशि परिवर्तन करते हैं, किन्तु इन सबमें मकर संक्रांति ही विशेष पुण्यदायी है।

करंट से हाथ-पैर कटने के बाद ऐसे बदली यशवंत की जिंदगी

छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के खरोरा ब्लॉक के छुरिया गाँव का 9वीं कक्षा का छात्र यशवंत यादव कभी खेलकूद और मुस्कान से भरा एक जीवंत बालक था। लेकिन एक दिन उसकी जिंदगी ने भयानक मोड़ ले लिया। घर की बालकनी में खेलते समय वह अचानक 11,000 वोल्ट के करंट की चपेट में आ गया। इस दर्दनाक हादसे ने उसका एक हाथ और एक पैर छीन लिया। उस दिन के बाद उसकी दुनिया जैसे थम सी गई। न खेलना, न दोस्तों से मिलना। वह पूरी तरह टूट चुका था और बीते एक साल से घर की चारदीवारी में ही सिमट गया था।फिर एक दिन, सोशल मीडिया के माध्यम से उसके माता-पिता को नारायण सेवा संस्थान के रायपुर माप शिविर की जानकारी मिली। वे यशवंत को लेकर वहाँ पहुँचे और हाथ -पैर का माप दिया, पुनः आयोजित फिटमेंट शिविर 24 अगस्त 2025 को जहाँ उसे निःशुल्क नारायण कृत्रिम हाथ और पैर (लिंब) प्रदान किए गए। आज वही यशवंत, जो कभी निराशा में डूब गया था, अब फिर से खुद अपने पैरों पर खड़ा है।वह न केवल चलने लगा है, बल्कि अपने सभी कार्य स्वयं करने लगा है। उसके चेहरे पर अब फिर से वही मासूम मुस्कान लौट आई है।यशवंत अब तैयार है। नई जिंदगी, नई उम्मीद और नए सपनों के साथ आगे बढ़ने के लिए।

छोटे कदम नापेंगे लम्बी दूरी

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले का 6वर्षीय अबी जगत जन्म से ही टैलिप्स इक्विनोवेरस (क्लब फुट) से पीड़ित था। जन्म के कुछ ही देर बाद ही यह स्पष्ट हो गया था कि उसके दोनों पैर के फब्बे अंदर की ओर मुड़े हुए हैं, जिसके कारण वह उम्र बढ़ने के साथ ठीक से खड़ा या चल नहीं पाएगा। अबी के पिता लखन कुमार रोड रोलर चालक और मां व्रजवन्ती देवी गृहिणी हैं। एक बड़ा भाई भी है, जो चौथी कक्षा में पढ़ता है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार इलाज को लेकर असमंजस में था। इसी बीच, कोरबा में एक व्यक्ति ने अबी के पिता को बताया कि ऐसी ही स्थिति में उनके बेटे का निःशुल्क सफल उपचार नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर में हुआ था और अब वह पूरी तरह स्वस्थ है। वहां सम्पर्क से आपको भी राहत मिल सकती है। यह जानकर अबी के माता–पिता के मन में भी नई उम्मीद जगी और वे बेटे को लेकर 2024 की नवरात्रि में नारायण सेवा संस्थान आये, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने उसका उपचार शुरू किया। पहला ऑपरेशन 3 अक्टूबर 2024,दूसरा 13 जनवरी 2025, और तीसरा ऑपरेशन 19 सितंबर 2025 को हुआ। इलाज के दौरान कई बार विजिंग और फॉलोअप हुए। 26 अक्टूबर 2025 को जब माता–पिता अबी को लेकर पुनः फॉलोअप के लिए आए, तो उसका प्लास्टर हटाकर कैलिपर्स पहनाए गए। आज वह कैलिपर्स की मदद से चलने लगा है। वह कहता है कि चाहे कितनी ही दूर जाना पड़े, अब हिम्मत से आगे बढ़ूंगा।अबी के मन में आत्मविश्वास और चेहरे पर मुस्कान तथा परिवार के जीवन में नई रोशनी लौट आई है। माता–पिता भावुक होकर कहते हैं कि "नारायण सेवा संस्थान ने अबी को नया जीवन दिया है। हम डॉक्टरों, सेवाभावी स्टाफ और संस्थान के सभी दानदाता–सहयोगियों का ह्रदय से आभार व्यक्त करते हैं।"

रोशन हुआ दीपक
नया पैर, नई राह

उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के रहने वाले दीपक चौधरी पेशे से लम्बी दूरी तक ट्रक ड्राइविंग कर परिवार का पोषण कर रहे थे। गृहस्थी सामान्य गति से चल रही थी, कि 2 साल पहले एक दिन अचानक सब कुछ बदल गया। ब्रेक फेल होने से हुए भयंकर सड़क हादसे में दीपक को अपना बायाँ पैर खोना पड़ा।

इस हादसे के बाद उनकी दुनिया ही थम गई। चलना–फिरना मुश्किल, बैसाखी का सहारा मजबूरी बन गया और थोड़ी दूरी चलने पर ही सांसें फूल जाती थीं। हर दिन एक नया संघर्ष, एक नई बेबसी के साथ गुजरता था।

इसी बीच एक दिन उनके एक मित्र ने उन्हें नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के बारे में बताया कि वहाँ दिव्यांगजन को निःशुल्क कृत्रिम अंग लगाए जाते हैं। दीपक ने संस्थान से तुरंत संपर्क किया और उदयपुर पहुँचे। यहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों ने उनके पैर का माप लिया और सिर्फ तीन दिन में उन्हें उनके अनुकूल नया कृत्रिम पैर प्रदान किया। संस्थान के पुनर्वास केंद्र में दीपक को चलने और संतुलन बनाने की विशेष ट्रेनिंग दी गई। धीरे–धीरे उन्होंने कृत्रिम पैर पर चलना सीखा। पहले की ही तरह उनमें आत्मविश्वास फिर लौट आया।

यही नहीं, दीपक ने संस्थान में रहते हुए ही तीन महीने का मोबाइल रिपेयरिंग कोर्स भी (15 जून से 20 सितम्बर तक) पूरा किया। अब वे आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं – अपनी छोटी–सी दुकान खोलने या किसी कम्पनी में नौकरी की शुरुआत करने का सपना लिए। भावुक होते हुए दीपक कहते हैं –"मैं दिल से धन्यवाद करता हूँ नारायण सेवा संस्थान और उन सभी दानदाताओं का, जिनकी बदौलत हम दिव्यांग दोबारा चल पा रहे हैं और जीवन की नई राह पर कदम बढ़ा रहे हैं।"

WORLD OF HUMANITY

NARAYAN SEVA SANSTHAN

Nar Seva Narayan Seva

पू. कैलाश जी 'मानव'
संस्थापक चैयरमेन

वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी

'सेवक' प्रशान्त भैया
अन्तर्राष्ट्रीय अध्यक्ष

भव्य उद्घाटन समारोह

दिसम्बर
रविवार **7** प्रात:10 बजे
2025

स्थान : प्लॉट नम्बर 1-2, माली कॉलोनी, उदयपुर (राज.)

आपश्री सपरिवार सादर आमंत्रित है

नववर्ष–नव संकल्प

नववर्ष 2026: बीते दिनों से बेहतर बनाने का लें संकल्प नववर्ष केवल कैलेंडर का नया पन्ना नहीं, बल्कि जीवन में नई ऊर्जा, नई संभावनाओं और नए संकल्पों की शुरुआत का प्रतीक है। यह समय है जब हम बीते अनुभवों से सीखकर आने वाले वर्ष को बेहतर बनाने का संकल्प लें, स्वयं के विकास, परिवार, समाज और देश के लिए। आत्मविकास का संकल्पसबसे पहला संकल्प होना चाहिए दृ खुद को बेहतर बनाना। नई कौशल सीखना, सकारात्मक सोच अपनाना, नियमितता और अनुशासन लाना, यही आत्मविकास की दिशा में पहला कदम है।परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदारी भागदौड़ भरे जीवन में अपने परिवार और समाज के लिए समय निकालना भी जरूरी है। प्रियजनों की भावनाओं को समझना और जरूरतमंदों की सहायता करना जीवन को अधिक सार्थक बनाता है। पर्यावरण और आत्मनिर्भरता प्रकृति की रक्षा हमारा कर्तव्य है। पेड़ लगाना, स्वच्छता बनाए रखना, जल–बिजली की बचत जैसे छोटे कदम बड़े बदलाव लाते हैं। साथ ही आत्मनिर्भर बनना न केवल व्यक्तिगत सफलता की कुंजी है, बल्कि समाज को सशक्त बनाने का माध्यम भी है। सेवा का संकल्प जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य है–सेवा। सेवा केवल दान नहीं, बल्कि संवेदना है, किसी के दुख को समझना और उसे मुस्कान देना। नारायण सेवा संस्थान इसी भावना से प्रेरित होकर वर्षों से दिव्यांगजनों, निर्धनों और जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लौटा रहा है। हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं आप जैसे दानदाताओं और भामाशाहों का, जिनके सहयोग से यह सेवा कार्य संभव हो पा रहा है। आपके योगदान से असंख्य दिव्यांगजनों के चेहरों पर मुस्कान लौटी है, और उनके जीवन में आत्मनिर्भरता की नई किरण जगी है। आपका यह सहयोग उनके लिए नई उम्मीद, नया आत्मविश्वास और जीवन में नई दिशा लेकर आता है। आइए, इस नववर्ष पर हम संकल्प लें, सेवा, सकारात्मकता और आत्मविकास के मार्ग पर आगे बढ़ने का, ताकि हर जीवन में खुशियों की रोशनी फैल सके। आप सभी को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं!

लखनऊ में 301 दिव्यांगों को 462 लिंब और कैलिपर्स

सच्चा मानवीय योगदान वही है, जो किसी के जीवन में नई आशा और विश्वास की किरण जगा सके। इसी उद्देश्य को लेकर नारायण सेवा संस्थान, मेक अ चेंज फाउंडेशन यूके और श्री स्वामीनारायण मंदिर, विल्सडेन (यूके) के संयुक्त तत्वावधान में 12 अक्टूबर को लखनऊ के दयाल गेटवे में निःशुल्क नारायण लिंब एवं कैलिपर्स फिटमेंट शिविर आयोजित किया गया। यह शिविर केवल चिकित्सा सुविधा नहीं, बल्कि अनगिनत रुकी हुई जिंदगियों में नया उत्साह भरने का पर्व था। इसमें 146 दिव्यांगजन को 164 कृत्रिम अंग और 155 लाभार्थियों को 298 कैलिपर्स प्रदान किए गए। ये वे दिव्यांगजन थे, जो कुछ वर्ष पहले सड़क हादसों में अपंग हो गए थे। अब बढ़ चले हैं, जीवन की राह पर फिर से इनके कदम।

मुख्य अतिथि, उप्र सीएसआर विभाग के असिस्टेंट जनरल मैनेजर श्री आनंद कुमार पांडेय ने कहा –"यह केवल सहायता शिविर नहीं, बल्कि मानवता का सच्चा संदेश देने वाला प्रेरक क्षण है। किसी परिवार का एक सदस्य जब फिर से अपने पैरों पर खड़ा होता है, तो पूरा परिवार नए उत्साह से भर उठता है।"

शिविर की अध्यक्षता वैश्य फेडरेशन के श्री सुधीर हलवासिया ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री संजीव अग्रवाल, श्री रजनीश कमल नाग, श्री दुर्गा प्रसाद श्रीवास्तव, श्री जितेंद्र–राजरानी अरोड़ा, श्री शंकर शरण और श्री राजेंद्र बडोला मंचासीन रहे।

शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं स्वागत – सत्कार के साथ हुआ। संस्थान के ट्रस्टी–निदेशक देवेंद्र चौबीसा ने कहा कि 13 जुलाई को आयोजित माप शिविर में 400 से अधिक दिव्यांगजन पंजीकृत हुए थे, जिनमें से 301 लाभार्थियों ने इस शिविर में नया जीवन पाया।

शिविर में कृत्रिम अंग पहने दिव्यांगजन की प्रेरक परेड ने उपस्थित जनों की आँखें नम कर दीं। कार्यक्रम का संचालन महिम जैन ने जबकि आभार प्रदर्शन हरि प्रसाद लढ्ढा ने किया।

संवेदना/श्रद्धांजलि

स्व. रेखा गर्ग

नारायण सेवा संस्थान के डिस्पेच विभाग में कार्यरत श्री राजेन्द्र जी गर्ग की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा जी गर्ग का 4 नवम्बर को असामयिक निधन हो गया। लश्करी अग्रवाल समाज भवन में 6 नवम्बर को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री मानव जी, गुरूमाता कमला देवी जी, अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया, निदेशक वंदना जी सहित बड़ी संख्या में उपस्थित समाजजन व साधक वृंद ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती रेखा जी अपने पीछे पुत्र जिनेश, पुत्री-जंवाई आरजू-सत्यम, प्रज्ञा, जेठ-जेठानी गोविन्द जी-स्नेहलता जी, सरोज जी व उनका सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं। प्रभु उनकी आत्मा को शांति व परिवार को धैर्य प्रदान करें। ओम शांति!

दत्तात्रेय के गुरू और शिक्षाएं

भगवान दत्तात्रेय को आदिगुरू माना जाता है, क्योंकि उन्होंने यह शिक्षा दी कि ज्ञान किसी भी स्त्रोत से प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने अपने जीवन में 24 गुरु बनाए, जिनमें मानव ही नहीं, प्रकृति और विभिन्न जीव–जन्तु भी शामिल थे।

अनूठे गुरू–

पृथ्वी :– पृथ्वी से उन्होंने क्षमा, सहनशीलता और परोपकार की शिक्षा ली। सुख–दुख सहन करते हुए पृथ्वी अपनी प्रकृति में दृढ़ रहकर सबका भला करती है।

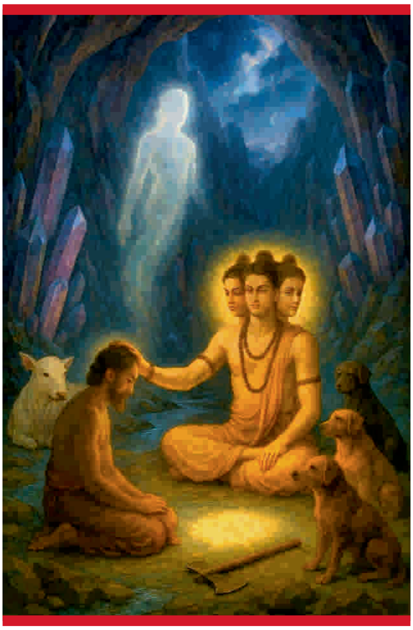

वायु :– हर जगह उपस्थित वायु का मूल स्वरूप स्वच्छता है। अच्छी – बुरी गंध से प्रभावित नहीं होती। उसी तरह व्यक्ति को निर्लिप्त रहना चाहिए।

अग्नि :– परिस्थिति के अनुकूल ढलना चाहिए।

जल : सदैव अपनी शुद्धता–पवित्रता बनाए रखें। दूसरों को तृप्त करना ही धर्म है।

आकाश :– सर्वव्यापी आकाश किसी भी चीज से दूषित नहीं होता। आत्मा भी सर्वव्यापी और शुद्ध है।

चंद्रमा :– चंद्रमा अपनी कलाओं को घटाता–बढ़ाता रहता है, पर उसका मूल स्वरूप नहीं बदलता ।

समुद्रः– महानता और स्थिरता की सीख देता है।

मधुमक्खी :– रस रूप में ज्ञान एकत्रीकरण और उसका सदुपयोग सिखाती है।

सूर्य : – सूर्य एक होते हुए भी विभिन्न प्रांतों/देशों में दिखता है। इसी तरह आत्मा भी एक है और प्रकाश उसका मूलधर्म है।

कबूतर :– कबूतर का जोड़ा बच्चों के मोह में इतन अंधा हो जाता है कि खुद भी शिकारी के जाल में फंस कर जीवन समाप्त कर देता है। अत्यधिक आसक्ति और मोह घातक है।

अजगर :– जो मिल जाए उसी में सन्तोष।

हाथी :– मादा के मोह में हाथी पकड़ा जाता है। यह बताता है कि इन्द्रिय भोग–वासना हमेशा पतन के कारण बनते हैं।

मछली :– मछली कांटे में फंस जाती है, क्योंकि वह स्वाद का लालच नहीं छोड़ पाती। इन्द्रिय रस ही बंधन है।

हिरणः– मधुर संगीत पर मोहित होकर शिकार बन जाता है। शब्द (श्रवण) इन्द्रिय के प्रति भी ज्यादा आसक्ति ठीक नहीं।

भौंरा :– जिस तरह भौंरे अलग–अलग फूलों से पराग लेते हैं वैसे ही मनुष्य को जहां से भी सार्थक बात सीखने को मिले, ग्रहण करना चाहिए।

बालक :– हमेशा चिंतामुक्त और निरपेक्ष रहता है उसी तरह मनुष्य को भी चिंताओं से मुक्त सहज आनंद में जीना चाहिए।

सर्प :– सांप किसी स्थाई बिल में नहीं रहता। वह बिल बदलता रहता है। इसी तरह सन्यासी को एक स्थान पर स्थिरवास नहीं करना चाहिए।

मकड़ी :– मकड़ी जाल बुनती है और नष्ट भी करती है। यह बताता है कि संसार के मायाजाल में न पड़कर मुक्ति मार्ग पर चलें।

भृंगी :– यह कीट छोटे–छोटे कीटों को डंक मारकर उन्हें भी अपना जैसा बना लेता है। इससे दत्तात्रेय ने सीखा कि व्यक्ति जैसा सोचेगा या जैसे संगत में रहेगा, वैसा ही बन जाएगा ।

पतंगा :– आग की ओर आकर्षित होकर जल जाता है। मनुष्य को भी रूप–रंग के आकर्षण और झूठे मोह में नहीं फंसना चाहिए।

धुनर्धर :– अभ्यास और वैराग्य से मन को वश में रखना चाहिए। अर्थात एकाग्रचित बनें।

कुरर पक्षी :– मांस का टुकड़ा चोंच में दबाए उड़ते इसे अन्य पक्षियों के झुंड ने घेर लिया। कुकर ने माँस का टुकड़ा छोड़ दिया। पक्षियों ने भी उसका पीछा छोड़ दिया। यह बताता है कि त्याग में ही शांति है।

वैश्या :– जब अपने पेशे से ऊब गई तो उसने ईश्वर में मन लगाया जिससे उसे परम शांति और सन्तोष का अनुभव हुआ। शांति भोग में नहीं, अनासक्ति में है।

कन्या :– जिस तरह कन्या एकांत में दत्तचित कार्य करती है, उसी तरह अत्यधिक व व्यर्थ की संगति से बचना चाहिए।

झीनी-झीनी रोशनी 79

राजमल जी के तेवर देखकर कैलाश जी भी खुश हो गए। यही बात उनके मन में भी उठ रही थी कि सेठ जाये तो जाये, शिविर की व्यवस्था तो जैसे –तैसे हो जायेगी मगर इस तरह का भेदभाव बर्दाश्त नहीं किया जायगा।

सेठ को जो बात मान–मनुहार से समझ नहीं आ रही थी वही बात राजमल जी की दो टूक झिड़की से एक पल में समझ में आ गई। सेठ ने अपनी गलती स्वीकारी तथा सभी शिविरार्थियों को एक ही पंगत में बिठा कर भोजन कराया।

इस तरह के अनुभव कैलाश जी के लिये नई बात नहीं थी। आये दिन कोई न कोई प्रसंग उपस्थित होता था जिससे जीवन को समझने की एक नई दृष्टि उत्पन होती थी। एक बार वह उदयपुर के बड़े अस्पताल के आर्थोपेडिक वार्ड में रोगियों से मिल रहे थे, तब उनकी भेंट एक विचित्र व्यक्ति से हुई। जीवन जीने का अन्दाज ऐसा भी हो सकता है यह सोच–सोच कर वे प्रसन्न हो गए। इस रोगी के हाथ में प्लास्टर बंधा था, हर कोई इसके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और पट्टा खुलने की कामना करता। कैलाश जी ने भी ऐसा ही कहा तो वह बोल उठा मुझे पट्टा कटवाने की जल्दी नहीं है, मैं तो तारीख से 15 दिन बाद पट्टा खुलवाना चाहता हूं, मैं तो ज्यादा से ज्यादा दिन अस्पताल में रहना चाहता हूं।

कैलाश जी अचरज में पड़ गए, हर कोई जल्द से जल्द अस्पताल से छुट्टी करवा कर घर जाना चाहता है मगर यह है कि ज्यादा से ज्यादा दिन अस्पताल में रहना चाहता है। कैलाश जी को यह रोगी दिलचस्प लगा। वे पूछ बैठे ऐसा क्यूं? रोगी ने बताया कि उसकी दुकान है जिस पर ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ती है, लोगों को लाइन बनाकर खड़े रहना पड़ता है। एक पल की फुरसत नहीं मिलती, दिन कैसे गुजर जाता है पता ही नहीं चलता।

हर दिन यही बात। यहां भर्ती हुआ हूं तो लोगों से मिलना–जुलना तो हो रहा है, आप जैसे लोगों से बातचीत तो हो रही है, कुछ अच्छा सोचने का समय तो मिल रहा है। उसकी बातें सुन कैलाश जी के चेहरे पर एक मुस्कान खेल गई।

1985 की बात है। कैलाश जी अस्पताल के वार्डों में घूम रहे थे, उनके झोले में फल–बिस्किट थे। सभी रोगियों को राम–राम करते वह फल वितरित कर रहे थे। तभी वार्ड बॉय भोजन की ट्रोली लेकर आ गये। कैलाश जी भोजन वितरित करने वालों की मदद करने लगे। थालीयां निकाल कर वह रोगियों को देने लगे। एक रोगी ने दो रोटियां निकाली और अपने पास रखे एक कटोरे में रख दी, उसने बाकी बची सिर्फ एक रोटी खाई। कैलाश जी यह सब देख रहे थे, रोगी के इस कार्य से वह अचम्भे में थे, उन्होंने बरबस ही रोगी से पूछ लिया कि एक रोटी से आपका क्या होगा?

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,
मो. 07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
मो. 09829769960
C/å नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा–311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी
मो. 09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला, मो. 8952859514, लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा
मो. 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल, 35 लादिया, बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,
मो. 09828242497
5–C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़, झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,
मो. 09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज, किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,
मो. 09829960811,
ए. 14, 'गिरधर–धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.–09113733141
ब्ध पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार खेडिया,
मो. 09608529923,
आजाद नगर भूलीनगर

मध्य प्रदेश

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 09752492233,
मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,
मो. 09926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी, माढ़ोताल, जिला – जबलपुर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136
ए–3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला – भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,
मो. 08989609714, बखतगढ़, त.–बदनावर, जि.–धार

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी,
मो. 09422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा
मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,
मो. 07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम, मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला – नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी
मो. 09422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी
मो. 028847991, 9029643708,
10–बीध्बी, वाईसराय पार्क, ठाकुर विलेज कान्दीवली, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा,
मो. 8080083655 ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे–401101

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,
मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट–बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर – 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट–रोपा, जिला–हमीरपुर–177001

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807
गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662
3 68–ए, नई अनाज मंडी, कैथल

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878
108 अनाज मण्डी, जुलाना, जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो. 09991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर–14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद डेयरी मेन रोड करण विहार नियर मेरठ रोड करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.– 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट–133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014 165–हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,
मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा–403601

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,
मो. 09274595349
म.नं.रू बी–77, गोल्डन बंग्लो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074
विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला–बरेली
श्री विजय नारायण शुक्ला मो. 7060909449,
मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,
मो.–09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन, सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल
मो.–09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस, कबाड़ी बाजार, हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.–08791269705 बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा–244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल
मो. 09425536801

....

श्री देवनाथ साहू
मो. 09229429407
गांव– बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला–कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,
मो.–09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000
रामदेव चौक बालोद जिला–बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,
मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52–सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु–180001

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा
मो. 08447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा
मो.0 9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स प्ट1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास, शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
मो. 09529920090,07073452174 09529920088
शिवे सृष्टि सीएचएस लिमिटेड, बिल्डिंग नं. 4–बी, फ्लैट नंबर 608, बॉम्बे डाईंग महादा बोइवाड़ा, नयागांव, दादर (पूर्व) मुंबई (महाराष्ट्र) पिनकोड 400014

पूणे
मो. 09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे–16

दिल्ली

रोहिणी
मो. 08588835718 08588835719, बी–4/67, सेक्टर–8, रोहिणी, दिल्ली, पिन कोड 110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101167, 07412060406
सी2/287, 4 फ्लोर, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
मो. 09257017592
मकान नं. 342 ब्लॉक–सी, मद्रासी मन्दिर के पास विकासपुरी 110018

हरियाणा

गुरूग्राम
मो. 08306004802,
हाउस नं.–1936 जीए, गली नं.–10, राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी. आर.पी.एफ. केम्प चौक, गुरुग्राम – 122001

हिसार
मो. 9257017593, मकान न. 2249, सेक्टर–14, हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
मो. 09341200200,
नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु–560004

बिहार

पटना
मो. 09257110805
मकान नं.–23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना–13

उत्तर प्रदेश

मेरठ
मो. 09257110802
38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड, नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम, मेरठ

लखनऊ
मो. 09351230395
फ्लेट नम्बर 202, गुरूकृपा अपार्टमेंट न्यू श्रीनगर आलमबाग लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना
मो. 07023101153
311/312, बी–17, गुलाटी डांस क्लास के पास, भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
मो. 07073452176
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर, सेक्टर – 46–सी, चंडीगढ़–160047

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097, मकान नंबर–580, स्वामी सारणी ग्वाला, बागान, कालांदी, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) पिनकोड 700048

गुजरात

सूरत
मो. 09529920082
27, सम्राट टाऊनशिप, सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो. 09529920081
म. नं.रू 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा –390019

अहमदाबाद
मो. 09529920080, 08306008208
07/ए, कपिलकुंज सोसायटी, विजय नगर के सामने, मेट्रो स्टेशन, नारायणपुरा, अहमदाबाद (गुजरात) पिनकोड 380013

राजस्थान

जोधपुर
मो. 08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर जोधपुर (राज) 342001

कोटा
मो. 07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं. 2–वी–5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
मो. 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
मो. 07023101163
मकान नं. 212/53, राधानगर, भारत पेट्रोलियम अधिकारी आवास बिल्डिग, मथुरा (उ.प्र.)

अलीगढ़
मो. 07023101169
एम.आई.जी. –48 विकास नगर, आगरा रोड़, अलीगढ़

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
मो. 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर, बी.–350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद – 201009

लोनी
मो. 07023101162
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

आगरा
मो. 07023101174
मकान नंबर ई–52, किडजी स्कूल के पास, कमला नगर, आगरा (उत्तर प्रदेश) पिन कोड रू 282005

छत्तीसगढ़

रायपुर
मो. 07869916950, 08306004806
मीरा जी राव, म.नं.–29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.–2, फेस–2 श्रीरामनगर, पो.–शंकरनगर रायपुर, (छ.ग.)

गुजरात

राजकोट
मो. 09529920083
बी–33, शिव शक्ति कोलोनी, जेटको टावर के सामने, यूनिर्वसिटी रोड, राजकोट 360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
मो. 07023101175
साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

दिल्ली

फतेहपुरी
मो. 08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी, दिल्ली–6

शाहदरा
मो. 07073474435, बी–85, ज्योति कोलोनी, दुर्गापुरी चौक, शाहदरा

मध्य प्रदेश

इन्दौर
मो. 09529920087
43, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर–452018

हरियाणा

अम्बाला
मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर–7 अम्बाला

कैथल
मो. 08696002432
फ्रेंड कॉलोनी, गली नम्बर 3 करनाल रोड़, हनुमान वाटिका के पास कैथल (हरियाणा)

राजस्थान

जयपुर
मो. 09928027946, 09257110807
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी–50–51 सनराईज सिटी, मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा, जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
मो. 09573938038
लीलावती भवन, 4–7–122/123 इसामिया बाजार, कोठी, संतोषी माता मंदिर के पास, हैदराबाद –500027

अपने परिचितों, परिजनों अथवा स्वयं के जन्मोत्सव, वैवाहिक वर्षगांठ के साथ पुण्यात्माओं की पुण्यतिथि को बनाएं यादगार...

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

दो जून की रोटी के लिए बेबस निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजनध्नाश्ता सहयोग मित्ति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त अंगविहीन एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
कृत्रिम अंग (हाथ-पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.

आशा की नई उड़ान रखने वाले दिव्यांगजनों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

नारायण चिल्ड्रन एकेडमी के बच्चों के सपनों को करें साकार

1 एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
5 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	55,000/-
20 बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	2,20,000/-

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe Paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सायलय

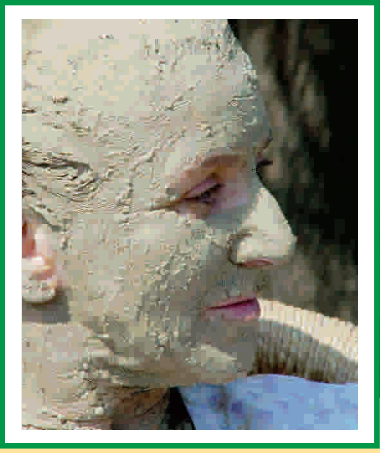

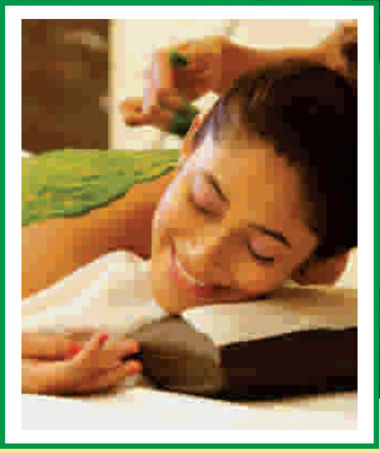

अस्मिता जी की नेचुरोपैथी चिकित्सा

गुजरात के मोडासा शहर की रहने वाली अस्मिता देवी लम्बे समय से कमर और पैरों में तेज दर्द से परेशान थीं। कई जगह उपचार के बावजूद स्थायी आराम नहीं मिला। फिर किसी परिचित से जानकारी मिलने पर वे नारायण सेवा संस्थान के नेचुरोपैथी विभाग पहुँचीं। अस्मिता बताती हैं कि जब वे पहली बार आई थीं, तब दर्द इतना अधिक था कि चलना-फिरना भी कठिन हो गया था। संस्थान के चिकित्सकों और सेवाभावी स्टाफ द्वारा किए गए निरंतर प्राकृतिक चिकित्सा उपचार से अब उनकी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।वह मुस्कुराते हुए कहती हैं —यहाँ चौथी बार आने पर मुझे बहुत आराम मिला है। कमर के दर्द में लगभग 70% और पैरों के दर्द में 50% राहत मिली है। यहाँ जिस प्रकार से सेवा कार्य किए जाते हैं, उन्हें देखकर दिल गदगद् हो जाता है। सचमुच, यहाँ नर के रूप में ईश्वर की सेवा होती है। संस्थान का शांत वातावरण, सेवाभावी स्टाफ और उपचार की पद्धति मन को सकारात्मक ऊर्जा से भर देती है।

सम्पर्क करें +91 294 662 2222 +91 7023509999

अन्तर्राष्ट्रीय मुख्यालय: 483, 'सेवाधाम' सेवा नगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.) 313002, भारत

Seva Soubhagya Print Date 1 December, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur -313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages-20 (No. of copies printed 1,50,000) cost-Rs.5/-